HAPPY DIWALI

दैनिक प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

भारत सरकार से रजिस्टर्ड

RNI NO - UPBIL/2021/83001

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्ष :-03 अंक :-204 मुरादाबाद 12 November 2023 (Sunday) पृष्ठ:-08 मूल्य :- 3.00 रूपये

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, लखनऊ

अयोध्या में बना रिकॉर्ड, एक साथ जले 22 लाख 23 हजार दीये, सीएम ने की आरती

दीपोत्सव पर राम की नगरी अयोध्या दीयों से जगमगा उठी है। नगर में हर तरफ दीयों की कतार ही नजर आती है। इस बार के दीपोत्सव में अयोध्या धाम में एक साथ 22 लाख 23 हजार दीयों को जलाने का रिकॉर्ड बनाया गया। सब कुछ ऐसा लग रहा है जैसे देवलोक पृथ्वी पर उतर आया हो।दीपोत्सव में बना नया रिकॉर्ड, एक साथ जले 2223000 दीप।दीपोत्सव के बाद हुआ लेजर शो।घाटों पर हुई आतिशबाजी का नजारा। दीपों को जलाने के लिए विशेष सहयोगियों की व्यवस्था की गई थी।

बदायूं में हादसा – 15 फीट गहरे कुएं में मिट्टी की ढांग गिरने से दो भाई दबे, छोटे की मौत, बड़े की हालत गंभीर

बदायूं के गांव जिजाहट में शनिवार दोपहर करीब तीन बजे हादसा हो गया। कुएं में मिट्टी की ढांग गिरने से दो भाई उसके नीचे दब गए। हादसे में छोटे भाई की मौत हो गई है, जबकि बड़े की हालत गंभीर है। बदायूं के मुजरिया थाना क्षेत्र में दिवाली से पहले बड़ा हादसा हो गया। गांव जिजाहट में शनिवार दोपहर करीब तीन बजे कुएं की ढांग गिरने से दो सगे भाई दब गए। जिससे 35 वर्षीय मोहकम की मौत हो गई, जबकि उसका बड़ा भाई नेकपाल गंभीर घायल हो गया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। त्योहार पर हुए इस हादसे से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। गांव में सन्नाटा पसर गया है। जानकारी के मुताबिक ग्राम जिजाहट निवासी मोहकम अपने बड़े भाई नेकपाल के साथ शनिवार शाम करीब तीन बजे कुएं में घुसकर ईंटें निकाल रहा था। उसी दौरान अचानक कुएं की ढांग गिर गई, जिसमें दोनों भाई दब गए। उन्हें बचाने के लिए दौड़े गांव के पिंकू, विनोद और अनिल भी कुएं में जा गिरे लेकिन तब तक काफी मिट्टी गिर गई थी। इससे यह तीनों लोग ज्यादा नहीं दबे। वह तुरंत ही बाहर निकल आए। मोहकम और नेकपाल करीब 15 फुट गहरे कुएं में दब गए। इसकी सूचना पर पुलिस पहुंच गई। आनन-फानन दो जेसीबी मंगाकर खोदाई शुरू करा दी गई। कड़ी मशक्कत के बाद शाम करीब 4-45 बजे बड़े भाई नेकपाल को निकाला जा सका। उसे तुरंत गंभीर हालत में बिल्सी स्वास्थ्य केंद्र भेज दिया गया। करीब आधा घंटा बाद मोहकम निकाला गया। उसे भी स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

शुभ दीपावली: पीतलनगरी के मेधावियों पर सोने की बारिश, छात्रों को मेडल मिले.. अभिभावकों के चेहरे खिले

एमजेपी रुहेलखंड विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में मुरादाबाद के चार मेधावियों को स्वर्ण पदक मिले। राज्यपाल आनंदी बेन पटेल के हाथों सम्मान पाकर मेधावी बेहद खुश हैं। उनका कहना है कि त्योहार से पहले इस तरह की खुशी मिलना अपने आप में बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता, शिक्षकों को दिया। एमजेपी रुहेलखंड विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में मुरादाबाद के चार मेधावियों को स्वर्ण पदक मिले। राज्यपाल आनंदी बेन पटेल के हाथों सम्मान पाकर मेधावी बेहद खुश हैं।

दादाजी का सपना किया पूरा- कोठीवाल डेंटल कॉलेज से ओरल एंड मैग्जिलो फेशियल पैथोलॉजी एंड ओरल माइक्रो बायोलॉजी की पढ़ाई करने वाले त्रिपुरा निवासी डॉ. दीपन मजूमदार को 74.71 फीसदी अंकों के साथ गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया है। उनका कहना है कि यह उपलब्धि मेरे दादा जी अटल बिहारी मजूमदार का सपना है, जिसे मैंने पूरा किया है। दीपन की भविष्य में शोध करने की योजना है। उनका कहना है कि इस पढ़ाई के बाद मुंह और गले के अंदर जितनी बीमारियां ट्यूमर, कैंसर आदि है, उसके इलाज की विशेषज्ञता मिल जाती है। सम्मान प्राप्त करने के लिए वह अपने पिता दिलीप मजूमदार के साथ बरेली गए थे। उन्होंने बताया कि प्राचार्य डॉ. स्वतंत्र अग्रवाल और निदेशक केके मिश्रा ने पढ़ाई में बहुत मदद की। उनकी वजह से ही यह उपलब्धि मिल सकी है।

लोगों की स्माइल संवारने का सबसे अच्छा तरीका

कोठीवाल डेंटल कॉलेज की बीडीएस की छात्रा और लखनऊ के विभूति खंड निवासी वृंदा अरोड़ा ने बताया कि उन्होंने 77.3 फीसदी अंक प्राप्त किए हैं। शुक्रवार को गोल्ड मेडल लेने के लिए वृंदा अपनी मम्मी अंजलि अरोड़ा और पापा हेमंत अरोड़ा के साथ बरेली गई थीं। उन्होंने बताया कि डेंटिस्ट बनना मेरा सपना था। एक बार मैं डेंटल क्लीनिक में गई थी। वहां दांतों का उपचार होते हुए देखा। तभी समझ आ गया था कि लोगों की स्माइल को संवारने का सबसे अच्छा तरीका डेंटल बनना है। जो व्यक्ति खाना चबा नहीं पाते तो उनके लिए डेंचर बनाते हैं। जब उन्हें खुशी मिलती है, उसको बयां नहीं कर सकती। एमडीएस करने के लिए मैं दोबारा नीट की तैयारी करुंगी। यह उपलब्धि शिक्षकों की मेहनत और मार्गदर्शन की वजह से मिली है। खासकर प्राचार्य डॉ. स्वतंत्र अग्रवाल का विशेष सहयोग रहा है।

टेक्सटाइल में करियर बनाना है लक्ष्य

विल्सोनिया डिग्री कॉलेज की छात्रा और बनारस निवासी उम्मे हबीब ने बताया कि बीकॉम में 69.95 फीसदी अंक आए हैं। उन्होंने बताया कि भविष्य में वह टेक्सटाइल के क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहती हैं। बिजनेस वूमेन बनना मेरा बचपन का सपना था। इसमें परिजनों का पूरा सहयोग मिला है। मेरे पिता टीएमयू में शिक्षक हैं।

दर्शनशास्त्र में शोध करने का सपना

केजीके कॉलेज में एमए दर्शनशास्त्र की छात्रा और गांव सरकड़ा विश्नोई ठाकुरद्वारा निवासी इंदू रानी ने बताया कि उनके 72.67 फीसदी अंक आए हैं। उन्होंने कहा कि जेआरएफ करके प्रोफेसर बनने का सपना है। इंदू के मुताबिक हमें पुरानी विचारधारा हमें जड़ों से जोड़ती है। इसलिए सभी को भारतीय दर्शन पढ़ना चाहिए। अधिक से अधिक बच्चों को यह विषय लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि मेरी इस उपलब्धि में सबसे बड़ा योगदान मेरे पति विशाल चौहान है। उन्होंने और परिजनों ने मेरे दो वर्षीय बेटे विराट चौहान की देखभाल की, ताकि मुझे पढ़ाई के लिए समय मिल सके। इंदू का चयन बिहार के दरभंगा जिला में बेसिक शिक्षा विभाग में शिक्षक पद पर हो गया है। इंदू के पिता विनोद कुमार चौहान और मम्मी राधा देवी हैं।

दीपावली पर 53 परिवारों के घर आई लक्ष्मी, खुशी का नहीं रहा ठिकाना..पटाके फोड़े-मिठाई बांटी

मुरादाबाद-शहर के 53 परिवारों में बिटिया रूपी लक्ष्मी ने जन्म लिया है। इनमें से 21 ने डॉक्टर से डिलीवरी के लिए 10 नवंबर की तारीख ली थी। डॉक्टरों के मुताबिक डिलीवरी दो से तीन दिन बाद या पहले भी हो सकती थी, लेकिन इन्होंने बेटी को लक्ष्मी के रूप में मानने के लिए धनतेरस का दिन चुना। हालांकि कई और भी हैं, जिन्होंने यह तारीख चुनी, लेकिन ईश्वर ने कुछ को ही बेटी के रूप में उपहार दिया है। जिला महिला अस्पताल में नौ नवंबर की रात 12 बजे से 10 नवंबर की रात 8 बजे तक पांच बच्चियों ने जन्म लिया। वहीं कॉसमॉस, सिद्ध, एपेक्स, समेत जिले के अन्य अस्पतालों में कुल 48 महिलाओं ने बेटी को जन्म दिया है। इनके परिजनों की खुशी का ठिकाना नहीं है। इनमें से किसी ने अस्पताल परिसर में मिठाई बांटी तो किसी ने मौके पर ही बेटी का नामकरण कर दिया। बेटी को किसी ने ऐश्वर्या, वैभवी, श्री, समृद्धि तो किसी ने लक्ष्मी नाम दिया है। महिला अस्पताल में पहली किलकारी दिन के नौ नवंबर को रात 12-40 बजे आई। जैसे ही परिजनों को नर्सिंग स्टाफ ने सूचना दी कि बेटी हुई है, सभी के चेहरे चहक उठे।जन्म के बाद मां राशिका बच्ची को देखते ही उसे गोद में लेकर चूमने लगी। बच्ची के साथ समय बिताने के बाद सुबह होते ही उसके पिता रवि तुरंत मिठाई लेने निकल पड़े। धीरे-धीरे अस्पताल में उसका पूरा परिवार भर गया। परिजनों ने बताया कि राशिका के पति ने डिलीवरी से पहले ही बेटी की इच्छा जाहिर की थी। ईश्वर ने उनकी इच्छा पूरी कर दी। महिला अस्पताल की सीएमएस डॉ. निर्मला पाठक ने बताया कि शुक्रवार को पूरे दिन अस्पताल में किलकारियां गूंजती रही।

ऑपरेशन में भी पहला बच्चा बेटी ही हुई।इकरा नूर बोलीं बेटी ही धन है- भावनाएं किसी धर्म की मोहताज नहीं होतीं। यूं तो धनतेरस हिंदुओं का त्योहार माना जाता है, लेकिन जिला अस्पताल में बेटी को जन्म देने वाली इकरा नूर ने बड़ा संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि धर्म कोई भी हो, लेकिन असली धन तो बेटी ही है। उन्होंने कहा कि यदि बेटी शिक्षित हो तो एक पीढ़ी के शिक्षित होने की गारंटी हो जाती है। उन्होंने अभी से बिटिया के भविष्य के सपने गढ़ लिए हैं। उसे पढ़ा लिखाकर डॉक्टर बनाने की इच्छा व्यक्त की है।नवरात्र में भी लोगों ने डिलीवरी के लिए ली भी तारीख- सिर्फ धनतेरस की ही नहीं, बल्कि नवरात्र में भी लोगों ने डिलीवरी के लिए डॉक्टरों से तारीख ली थी। चूंकि नवरात्र में नौ दिन होते हैं इसलिए डिलीवरी में कोई परेशानी भी नहीं हुई लेकिन कई बार लोगों की इच्छा के मुताबिक तय तारीख पर डिलीवरी नहीं होती। यह परिस्थितियों पर निर्भर करता है। सीएमएस ने बताया कि अब ज्यादातर लोगों में बेटी व बेटे को लेकर सोच बदल गई है। बेटियों को खेलों में पदक लाते देख, अस्पतालों में मरीजों का इलाज करते देखकर समाज में चेतना आई है।आजकल लोग फैमिली प्लानिंग के समय बच्चों के जन्म का महीना तक प्लान कर लेते हैं। धनतेरस के अलावा लोग नए साल पर, दिवाली पर या अन्य किसी खास दिन पर डिलीवरी के लिए डॉक्टर से परामर्श लेते हैं। कई केसों में तय तारीख पर डिलीवरी हो भी जाती है। इस बार धनतेरस पर शहर में 50 से ज्यादा बेटियों ने जन्म लिया है। - डॉ. मनीषा जैन, अध्यक्ष मुरादाबाद गाइनी सोसायटी

एंबुलेंस में ईएमटी ने गर्भवती का कराया सुरक्षित प्रसव

मुरादाबाद- ब्लॉक मुंडा पांडे क्षेत्र के गांव भजनपुरी निवासी नीतू पत्नी शैलेंद्र की पत्नी को प्रसव पीड़ा होने पर उन्होंने आशा सरोज की सहता से 102 एम्बुलेंस को फोन कर सूचना दी। सूचना मिलते ही 102 एम्बुलेंस के चालक मोहन स्वरूप और ईएमटी अरविंद कुमार गांव पहुंचे और गर्भवती को मुंडा पांडे के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मुंडा पांडे ले कर चल दिए रास्ते में अधिक प्रसव पीड़ा होने पर चालक मोहन स्वरूप और ईएमटी अरविंद कुमार रास्ते में एम्बुलेंस रोककर महिला को प्रसव कराया, जहां सकुशल महिला ने शिशु को जन्म दिया। चालक मोहन स्वरूप और ईएमटी अरविंद कुमार और आशा सरोज की सतर्कता और सावधानी के चलते जच्चा और बच्चा दोनो ही स्वस्थ है। शिशु के जन्म के बाद तुरंत जच्चा और बच्चा को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मूंद पांडे लाया गया, जहां डॉक्टर सोनू शर्मा ने जच्चा और बच्चा दोनो को भर्ती कर उपचार के बाद स्वस्थ स्वस्थ होने की बात कही। जच्चा और बच्चा दोनो के स्वस्थ होने की बात सुनकर परिवार में खुशी का माहोल है। परिवार के लोग एम्बुलेंस के चालक मोहन स्वरूप और ईएमटी अरविंद कुमार की सराहना कर रहे है।

सूचना

◆ प्रिय सुधि पाठको दीपावली पर कार्यालय का अबकाश रहेगा अब आपको अगला अंक 15/11/2023 को प्राप्त हो सकेगा - प्रधान संपादक

38,000 छात्र-छात्राओं को ड्रेस के लिए धनराशि का इंतजार

मुरादाबाद-अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों के समान बेसिक शिक्षा विभाग के स्कूलों को खड़ा करने की कई योजनाएं चलने के बाद भी खामियां शिक्षण व्यवस्था पर हावी हैं। बच्चों के हाथ में कई महीने कापी-किताब नहीं मिलती तो सत्र के सात महीने बीतने के बाद भी नई यूनीफार्म (ड्रेस) नहीं मिली। जिले के 1401 स्कूलों में पढ़ने वाले 38,000 छात्र-छात्राएं नई यूनीफार्म के इंतजार में हैं। स्थिति यह है कि ठंड से बच्चे ठिठुर रहे हैं क्योंकि अधिकांश के पास स्वेटर, जूता-मोजा नहीं है। सब पढ़ें सब बढ़ें का नारा केवल दीवारों व विभागीय फाइलों पर में ही अधिक दिख रहा है, मगर धरातल पर यह बेदम साबित हो रहा है। स्थिति यह है कि एक अप्रैल से प्रारंभ हुए वर्तमान शैक्षणिक सत्र के सात महीने बीत चुके हैं। लेकिन, बेसिक शिक्षा विभाग के महानगर से लेकर देहात तक के प्राथमिक, उच्च प्राथमिक और कंपोजिट विद्यालयों में पढ़ने वाले 38,000 छात्र-छात्राओं को नई यूनीफार्म और स्टेशनरी नहीं मिली है। वह पुरानी ड्रेस या घर के कपड़ों में स्कूल पहुंचकर खुद के भविष्य को संवारने की जद्दोजहद कर रहे हैं। शुक्रवार को बारिश के बाद ठंड में ठिठुरते हुए कई बच्चे स्कूल पहुंचे, जबकि शिक्षकों के शरीर पर गर्म कपड़े चढ़ गए हैं। सरकारी सुविधाएं भी समय से न मिलने से देश के इन कर्णधारों का मनोबल टूटता है। सत्र के आखिर में सुविधा मिली भी तो उसकी सार्थकता फिर अगले सत्र में ही होती है। यह है बानगी - बेसिक शिक्षा परिषद के नगर क्षेत्र में 64 स्कूल संचालित हैं। पुलिस लाइंस स्थित कंपोजिट विद्यालय में शुक्रवार को अमृत विचार की टीम ने देखा कि विद्यालय में पढ़ने वाले कई बच्चों के पास पुरानी ड्रेस थी। कई बिना स्वेटर के थे। इस विद्यालय में दो शिक्षिकाओं की तैनाती है। जिसमें शुचि शर्मा अवकाश पर रहीं। स्कूल में सहायक अध्यापिका लक्ष्मी देवी मौजूद थीं। पंजीकृत 39 में से 31 छात्रों की उपस्थिति थी। सहायक अध्यापिका से यूनीफार्म मिलने की स्थिति पर जवाब मिला कि कई पुराने ड्रेस में आ रहे हैं। यूनीफार्म की धनराशि अभिभावकों के खाते में जाती है।

सरकार आधार से लिंक खाते में भेजती है 1100 रुपये

बेसिक शिक्षा परिषद के स्कूलों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को यूनीफॉर्म के लिए सरकार की ओर से डीबीटी (डायरेक्ट टू बेनिफिट) के माध्यम से 1100 रुपये की धनराशि आधार कार्ड से लिंक छात्रों के अभिभावकों के बैंक खाते में भेजी जाती है। इस पैसे से अभिभावकों को बच्चों के लिए दो सेट ड्रेस, एक स्वेटर, जूता मोजा खरीदना होता है। हालांकि कई अभिभावक ऐसे भी होते हैं जो खाते में पैसा आने के बाद उसका उपयोग दूसरे कार्यों में कर लेते हैं। जिससे उनके परिवार के बच्चे पुरानी यूनीफार्म में स्कूल जाने को विवश रहते हैं।

बगैर प्रश्नपत्र करा ली अर्द्धवार्षिक परीक्षा

कक्षा एक से आठ तक के छात्रों की अर्द्धवार्षिक परीक्षा कराई गई। प्रश्नपत्र प्रधानाध्यापक के स्तर पर ही तैयार होना था। लेकिन बिना प्रश्नपत्र ही परीक्षा करा ली गई। छात्र-छात्राओं की यूनीफॉर्म के लिए पहले चरण में 1,32,154 के खाते में धनराशि भेजी गई। 38,000 के खाते में धनराशि नहीं गई है। जल्द ही भेजी जाएंगी। बजट न होने से अर्धवार्षिक परीक्षा में प्रश्नपत्र नहीं बन पाए।-अजीत कुमार, जिला बेसिक शिक्षाधिकारी

इस समाचार पत्र में सभी जन अबैतनिक तथा स्वयंसेवी है समाचार पत्र में लिखे लेख,समाचार अन्य तथ्यों से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है संवाददता ही समाचार या लेख का जिम्मेदार होगा- संपादक

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11,असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001 उत्तर प्रदेश से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

संपादकीय Editorial

Warming of climate change

Today we will talk about the growing, catastrophic effects of climate change in the world. We are celebrating Diwali festival in November, but our warm clothes are still missing. About 99 percent of the country is facing high temperatures. The maximum temperature in the capital Delhi and surrounding cities is still 32-34 degrees Celsius. There has been some cooling down in the minimum temperature at night, but the fans are still running. The average temperature is higher than normal, so the feeling of winter is also missing. Meteorologists estimate that this time till December 15, the kind of cold for which Delhi and surrounding areas are famous will not be felt. If the winter of the past several centuries has been assessed, 2023 is being estimated to be the warmest year. The negative effects of this changing trend of weather on human health, agriculture and economy are also coming to the fore, because there is no environment for adaptation and the market of warm clothes has become a sad and mute spectator. Meteorologists are believing that it is possible that in the coming May-June, instead of extreme heat, we will have to see and face the season of rain, floods and landslides! On one hand, poisonous winds of pollution are blowing in about 91 percent of the cities and towns of the country, air quality indices are continuously being recorded in the severe category, while on the other hand, nature is very angry and coolness is missing in winter. There is an outbreak of heavy rain in Tamil Nadu. There was some drizzle in some parts of the capital on Friday morning.

These are the terrible and negative effects of climate change – everything out of season. Unfortunately and ironically, we are still playing with the environment. The temperature of the earth is increasing. It is the effect of carbon emissions, toxic gases and smoke that in European countries where there were no fans in homes and offices and the weather remained cold most of the time, nowadays the temperature is more than 40 degrees Celsius. People there are taking bath in ponds and waterfalls and fans have also started running in homes and offices. The lakes of Venice city of Italy are in danger of drying up. People from all over the world have been coming to this beautiful city and enjoying boating in the lakes, but the heat is increasing so much that the transparent water of the lakes has started turning into steam. These are direct effects of climate change. In India, more than 90 percent of the workers and laborers are forced to work in the open. If summers continue to get longer due to climate change, working like this will become next to impossible. Obviously the average productivity and work power of workers will reduce. Ultimately the country will suffer the loss. Supreme Court and High Court judges have been reprimanding governments over pollution and climate change.hallow answers. Well, we are directly facing the vicissitudes of nature. The problem of global warming is on a global scale. It is believed that the developed countries are more responsible for this, which are not ready to understand their responsibilities. On many occasions, developed countries promised that they would make every effort to solve the problem of global warming, but till date nothing much has happened at the level of implementation. The Third World will have to put pressure on the developed countries at all costs to understand their responsibilities, otherwise this problem will create a crisis for the entire world.

Diwali: Light of happiness and tradition of donating lamps

Due to the desire for betterment, man wants to overcome the darkness of the dark Amavasya and light the lamp of happiness, prosperity and knowledge. To remove the darkness of every kind of evil and to spread the light of knowledge and prosperity all around, man celebrates Diwali by lighting lamps. This time we are celebrating Diwali at a time when people are suffocating due to air pollution in many parts of the country. Educational institutions have been closed. Whereas the festival of Diwali is a festival of removing internal and external impurities and lighting the lamp of knowledge and consciousness. It is a festival to spread the light of happiness everywhere. All the festivals celebrated in our country have a deep connection with nature and agricultural culture. The festival of Diwali is celebrated in the autumn after the rains. The rainy season has great importance in our country, because the rain drops not only enliven our heart and soul, but also sow the seeds of prosperity and prosperity of our country. The crops we bring home in autumn are planted during the rainy season only. During the rainy season, our earth conceives various types of wealth and prosperity. After the rainy season the earth becomes Vasudha. And as soon as autumn comes, she makes us all rich and prosperous with wealth and grains. In autumn the sky becomes clear, the water of rivers and ponds becomes clear. Trees and plants are laden with different types of fruits and flowers. The earth becomes fragrant with different types of flowers like lotus, lily, harsingar etc. Fruits, sugarcane and paddy bring prosperity to every section of the society. In such a season, man himself gets excited and starts thinking of doing better than what he has. Due to this desire for betterment, he wants to overcome the darkness of the dark Amavasya and light the lamp of happiness, prosperity and knowledge. To remove the darkness of every kind of evil and to spread the light of knowledge and prosperity all around, man celebrates Diwali by lighting lamps. In our centuries-old tradition of indigenous thinking, we express the natural conditions and the feelings they generate in our minds in symbols. And these symbols are in the form of gods and goddesses. Mahalakshmi is mainly worshiped during the festival of Diwali. This Mahalakshmi has three forms – Lakshmi, Saraswati and Kali. These three are actually forms of primal power. They perform various tasks in different forms. Saraswati symbolizes the brightness of knowledge, Lakshmi symbolizes wealth and prosperity, and Kali symbolizes destruction. Indian thinkers have described the appearance and functions of these three goddesses as different. Saraswati's complexion is white, Lakshmi's complexion is black and Kali's complexion is black. These three symbolize knowledge, desire and action respectively. These three goddesses help in the movement of the universe. In the central part of our country, Lakshmi is worshiped during Diwali, while in West Bengal, Kali is worshiped on the same day. Kali is the goddess of destruction, she is the embodiment of Shakti. But if we start worshiping only Shakti, then the goal of our progress is not achieved. Welfare is also necessary for the development and progress of mankind. Therefore, if Shakti Swarupa Kali lives together with Lord Shankar, the God of welfare, then only the human race can progress. If we have only power and do not wish for human welfare, then how can the development of mankind be possible? We all must have seen an old picture, in which Kali is dancing on the chest of Shankar holding Narmund and Khappar in her hand while holding the Kapala Mudra. This dance is a dance of destruction, a dance of destroying everything. I am saying all these things on the occasion of Diwali because the pollution I have mentioned above has become a symbol of destruction. And it is a matter of great irony that at the time when we are celebrating Diwali, pollution is at its peak, as if poison has dissolved in the air. This pollution is so extreme that it seems as if the entire atmosphere has turned into a gas chamber. The mention of the gas chamber might have reminded many people of Nazi ruler Hitler. As soon as Hitler is remembered, the mind trembles with the fear that this pollution is becoming a symbol of power (destruction) without Shankar (welfare)! This man-made pollution is so profound in its impact that it has even engulfed human consciousness. You can see that on one side there is a war between Russia and Ukraine, on the other side an orgy of humanitarian massacre is taking place in Gaza. The unfortunate thing is that countries with great powers are directly and indirectly involved in these wars which are destructive for mankind. These powers want to hoist their victory flag only by completely destroying their opponents. On one hand, when the phenomenon of climate change due to rising global temperature poses a threat to human existence, can these wars not be avoided through harmony and dialogue? It is not very long ago that during the Cold War the world was divided into two poles. On one side was the Soviet Union, on the other side was America. At one time it seemed that nuclear war could break out at any time, but a conversation took place between Kennedy and Khrushchev on the hotline, the two leaders reached an agreement and war was averted. whose end is not in sight at the moment.

जी आई सी को मैं भूल नहीं सकता- न्यायमूर्ति पालीवाल

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा - जी आई सी एटा के पूर्व छात्र एवं मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के माननीय न्यायाधीश श्री अचल कुमार पालीवाल एटा प्रवास के दौरान अपने कालेज पधारे। यहां उनका स्वागत 1968 के कालेज के पूर्व छात्र वरिष्ठ पत्रकार एवं पर्यावरणविद ज्ञानेन्द्र रावत, कालेज के पुरातन छात्रों का समागम, शताब्दी समारोह के आयोजन के लिए ख्यात और पुस्तक मेला के आयोजक ए आर एम मैनपुरी संजीव कुमार, पुस्तक मेला संयोजक अनूप कुमार दुबे, सर्वोदय इंटर कालेज के प्राचार्य विजय मिश्र, शिक्षाविद रामवीर सिंह यादव, पूर्व कालेज प्राचार्य महावीर सिंह, फुटबाल संघ के सचिव राजीव कुमार उर्फ बाबी आदि ने माल्यार्पण कर स्वागत किया और उनके कालेज आगमन को गर्व का विषय बताया। उनका स्वागत करते हुए ज्ञानेन्द्र रावत ने कहा कि इस कालेज को देश और प्रदेश का मान बढ़ाने में अपना अहम योगदान देने वाली प्रख्यात गीतकार पद्मविभूषण गोपालदास नीरज सहित असंख्य प्रतिभाओं को गढ़ने- संवारने का गौरव हासिल है। बीते 108 सालों का इतिहास इसका जीवंत प्रमाण है। स्वागत समारोह में जहां महावीर सिंह ने 1925 के छात्र अमर शहीद महावीर सिंह के अविस्मरणीय बलिदान की चर्चा की, वहीं संजीव कुमार,विजय मिश्र,रामवीर सिंह यादव आदि वक्ताओं ने श्री पालीवाल के कालेज आगमन को अविस्मरणीय पल की संज्ञा दी। इसके उपरांत न्यायमूर्ति पालीवाल ने अपने सम्बोधन में कहा कि मैं आजीवन इस कालेज को भूल नहीं सकता। छात्रों के भविष्य को संवारने में विद्या के इन मंदिरों के योगदान को नकारा नहीं जा सकता। मैं आज यहां आकर और कालेज के पूर्व छात्रों के बीच खुद को पाकर अभिभूत हूं। इसके उपरांत उन्होंने विद्यालय के ऐतिहासिक प्राचीन भवन और परिसर का अवलोकन किया और आश्वस्त किया कि आगामी माह में कालेज में आयोजित होने वाले पुस्तक मेले में सहभागिता का यथासंभव प्रयास करूंगा। इस अवसर पर पुलिस अधिकारियों और पुरातन छात्रों के अलावा श्यामू दुबे, शिक्षक संघ के महामंत्री राजीव वर्मा, विश्रांत कुलश्रेष्ठ,फुटबाल संघ के सेवाराम, राकेश पहलवान आदि की उपस्थिति विशेष रूप से उल्लेखनीय रही।

अवैध रूप से पटाखे बनाने व बेचने वाले एक अभियुक्त को भरी मात्रा में बने अधबने अवैध पटाखों एवं पटाखे बनाने की सामग्री सहित किया गया गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा - थाना जैथरा पुलिस को मिली सफलता,थाना जैथरा पुलिस द्वारा अवैध रूप से पटाखे बनाने व बेचने वाले एक अभियुक्त को भरी मात्रा में बने अधबने अवैध पटाखों एवं पटाखे बनाने की सामग्री सहित किया गया गिरफ्तार। जनपद में सुदृढ़ कानून व्यवस्था बनाए रखने के परिदृश्य वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एटा श्री राजेश कुमार सिंह के निर्देशन व अपर पुलिस अधीक्षक एटा श्री धनंजय सिंह कुशवाहा के निकट पर्यवेक्षण में अवैध रुप से पटाखे वनाने व विक्रय करने वालों के विरूद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना जैथरा पुलिस द्वारा एक अभियुक्त *निजाम खान पुत्र श्री अलाउद्दीन निवासी कस्वा धुमरी थाना जैथरा जनपद एटा* को कस्बा धुमरी में कल्लू ढाबे के पीछे स्थित टावर के नीचे से बने अधबने पटाखों एवं पटाखे बनाने के उपकरणों सहित गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध थाना स्थानीय पर मुअसं-361/2023 धारा-9 बी विस्फोटक अधि0 1884,व धारा 5 विस्फोटक पदार्थ अधिनियम पंजीकृत कर थानास्तर से आवश्यक विधिक कार्यवाही की

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच
को जिला एवं तहसील स्तर पर
ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन
प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

धान के बोरों से भरे ट्रक को चोरी कर लेने की घटना का 24 घंटे में सफल अनावरण,

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा - थाना कोतवाली नगर पुलिस को मिली बड़ी सफलता, थाना कोतवाली नगर पुलिस द्वारा धान के बोरों से भरे ट्रक को चोरी कर लेने की घटना का 24 घंटे में सफल अनावरण, एक शातिर अभियुक्त ट्रक तथा चोरी किए गए 661 बोरी धान कीमत करीब 30,000,00 रुपए) सहित गिरफ्तार। घटना का विवरण - दिनांक 10.11.2023 को वादी श्री राधाचरण पुत्र गंगा सिंह निवासी नेहरू नगर थाना कोतवाली नगर एटा द्वारा थाना कोतवाली नगर एटा पर लिखित सूचना दी गई कि उसकी एक आढ़त की दुकान है। दिनांक 09.11.2023 को उसके द्वारा ट्रांसपोर्ट शिवा रोड़ लाइंस एंड कमीशन एजेंट का अपने धान ले जाने के लिए एक ट्रक हायर किया था, जिस पर उसने 661 बोरों में करीब 264 कुंतल 90 किलो धान भरा था, जिसको ट्रक चालक कही चोरी कर ले गया है। इस संबंध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना कोतवाली नगर एटा पर मुअस - 796/23 धारा 379 भादवि बनाम देव कुमार यादव पुत्र राजदेव यादव निवासी निमियनतार अंगरा थाना ढोभी जनपद गया, बिहार पंजीकृत किया गया। गिरफ्तारी व अनावरण - थाना कोतवाली नगर पुलिस द्वारा उपरोक्त अभियोग में नामित अभियुक्त देव कुमार यादव पुत्र राजदेव यादव निवासी निमियनताड़ अगरा थाना डोभी जनपद गया, बिहार को चोरी किए गए ट्रक, ट्रक पर लगी फर्जी नंबर प्लेट एवं शत प्रतिशत माल (661 धान के बोरे) सहित शिवा ढाबा जीटी रोड भदवास गांव के पास से समय करीब 10.30 बजे गिरफ्तार किया गया है। प्रकरण में ट्रक एवं माल को पुलिस अभिरक्षा में लेकर अभियोग में धारा 411, 420, 467, 468, 471 भादवि की बढ़ोत्तरी करते हुए गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध थानास्तर से आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की

आयुर्वेद दवाओं एवं उनकी उपयोगिता पर निबन्ध प्रतियोगिता कराकर पुरस्कार आयोजित

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा - क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एंव यूनानी अधिकारी डा0 मनोज कान्त ने बताया है कि आयुष विभाग के अष्टम आयुर्वेद दिवस शिक्षा विभाग द्वारा हर दिन हर किसी के लिए आयुर्वेद थीम के अन्तर्गत आर्ष गुरुकुल के छात्रों द्वारा दैनिक आहार- विहार तथा दैनिक ऋतुचर्या, एवं आर्य इण्टर कालेज के छात्रों द्वारा आयुर्वेद वनस्पतियों, आयुर्वेद दवाओं एवं उनकी उपयोगिता पर निबन्ध प्रतियोगिता कराकर प्रथम पुरस्कार श्री प्रशांत द्वितीय पुरस्कार श्री प्रियांशू तथा तृतीय पुरस्कार श्री अमित कुमार तथा बेसिक शिक्षा

विभाग के कस्तूरबा गांधी आवासीय बलिका विद्यालय सकीट एटा की छात्राओं द्वारा निबन्ध प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार कु0 किरन, द्वितीय पुरस्कार कु0 शालू व तृतीय पुरस्कार कु0 नंदनी को बेसिक शिक्षा अधिकारी, एवं क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी एटा द्वारा प्रदान किया गया, तथा जनपद के कलेक्ट्रेट सभागार में उज्वाला योजना के लाभार्थियों को भी आयुर्वेद दवाओं, व आयुर्वेद वनस्पतियों, तथा दैनिक आहार विहार की जानकारी दी गयी, साथ ही मुख्य विकास अधिकारी एटा, एवं क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी सहित एटा के समस्त अधिकारियों व कर्मचारियों की सेल्फी प्वाइंट को आयुष विभाग की बेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है।

ऑफर
आप यहाँ अपना विज्ञापन लगवाये बहुत ही कम प्राइस में संपर्क करे-
9027776991

मऊरानीपुर नगर में बिक रही मिलावटी देसी इंग्लिश शराब

क्यूँ न लिखूँ सच
नेहा श्रीवास

मऊरानीपुर (झाँसी) नगर समेत ग्रामीण क्षेत्र में देशी शराब की दुकानों पर मिलावटी और ओवर रेट पर शराब बेची जा रही है। जिसकी जाँच कर कार्यवाही करने की लोगों ने आबकारी व प्रशासन से माँग की है। जानकारी में लोगों ने बताया कि देशी शराब की दुकानों पर बिक रहे क्वार्टर को काटकर उसमें पानी की मिलावट कर बेची जा रही है। जिससे क्वार्टर में एल्कोहल की मात्रा कम मिल रही है। साथ ही ग्रामीण क्षेत्र में खुली दुकानों में ओवर रेट 60 से 70 रुपए का क्वार्टर बेचा जा रहा है। वही पर दुकानों पर आबकारी विभाग के नियमों का पालन नहीं करते हुए नियमों की अनदेखी की जा रही है। दुकानों में स्कैन मशीन का प्रयोग नहीं किया जा रहा है। साथ ही सीसीटीवी कैमरे भी नहीं लगे हुए हैं। लोगों ने आबकारी विभाग व प्रशासन से जाँच कर कार्यवाही की माँग की है।

विधवा महिला की जमीन हड़पने का परिवार के ही लोगो ने किया प्रयास, पीड़िता की मारपीट। वीडियो हुआ वायरल

क्यूँ न लिखूँ सच
नेहा श्रीवास

झाँसी के मऊरानीपुर कोतवाली क्षेत्र की है। जहां ग्राम केलुआ की रहने वाली सीमा ने कोतवाली प्रभारी को प्रार्थना पत्र देकर अपनी सास और जेठानी पर मारपीट करने और घर के निकालने का आरोप लगाया है। वही मारपीट का वीडीयो अब सोसल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पीड़िता का कहना है। की उसके पति की मौत कुछ वर्ष पहले ही हो चुकी है। और अब ससुरालीजन उसके हिस्से की जमीन और मकान को हड़पना चाहते है। जिसको लेकर उक्त लोगो द्वारा घर में घुसकर मारपीट की । जिसका

वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।। वही पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

रामनगर में एमपी 19 एमजे 1000 स्कार्पियो पकड़ी गई

क्यूँ न लिखूँ सच
सचिन मिश्रा

रामनगर - भारतीय जनता पार्टी की चुनाव में बटने वाली सामग्री से लोड एक स्कोर्पियो कार रामनगर थाना पुलिस में पकड़ी , नगर परिषद अध्यक्ष सुनीता राम सुशील पटेल के घर के पास जब्त की पुलिस ने कार , नही मिले कोई उचित दस्तावेज , स्वस्ज्ञ टीम भी पहुंची थाने , मामले में की जांच में जुटी पुलिस व स्वस्ज्ञ टीम

यात्रियों से बस परिचालकों द्वारा वसूला जा रहा मनमानी किराया,परिवहन विभाग के अधिकारी नही देते ध्यान

क्यूँ न लिखूँ सच -अखिलेश कुमार तिवारी

रीवा - रीवा जिले के तराई अंचल जवा के सड़क मार्गो पर यात्री वाहनों में परिचालकों द्वारा मनमाना किराया वसूला जा रहा है।कई वाहन सड़को पर ऐसे दौड़ रहे है जो बीमा और फिटनेस की शर्तें भी पूरा नही करते।यहां से संचालित अधिकांश बसों में लूट-घसोट का माहौल देखने को मिल रहा है।निर्धारित दर से ज्यादा किराया वसूलने के बावजूद यात्री बसों में रहने वाली सुविधाओ का अभाव साफ तौर पर देखा जा रहा है।ऊपर से तय किये गए यात्री किराये की सूची बस में चस्पा नही करने से भी यात्रियों से मनमानी किराया वसूला जा रहा है।और परिवहन विभाग के अधिकारी जानबूझकर अनभिज्ञ बने हुए है।

हर मार्ग में यात्रियों के साथ मनमानी

जवा अंचल से रोजाना बड़ी संख्या में यात्री रीवा,डभौरा,पटहट और त्योंथर मार्ग पर यात्रा करते है।परिवहन विभाग की गाइडलाइन के विपरीत क्षेत्र में बस परिचालक यात्रियों से मनमाना किराया वसूल रहे है।जबकि यहां चलने वाले अधिकांश बसे सुविधा विहीन तथा कंडम हालत के है।कई बसों में मेडिकल बॉक्स तक नही है।समूचे क्षेत्र में बस परिचालकों की मनमानी चरम पर है इन्हें देखने,रोकने व टोकने वाला कोई नही है।यात्रियों का कहना है कि उन्हें रोजाना काम के सिलसिले में यात्रा करनी होती है तथा बस चालक उनसे नियम विरुद्ध मनमानी किराया वसूलते है।वही अन्य यात्रियों का कहना है कि लम्बे समय से बसों में मनमाना किराया वसूला जा रहा है।वही महिला यात्रियों ने बताया कि पूरा किराया देने के बाद भी महिलाओ को खड़े होकर यात्रा करनी पड़ती है।

हर रुट में यही हाल

जिले में वर्तमान समय मे सभी रूटों में किराया मनमानी तरीके से नियम विरुद्ध वसूला जा रहा है।यात्रियों से किराया के नाम पर चल रही इस लूट-घसोट पर परिवहन विभाग के जिम्मेदार व आला अधिकारी कर्मचारी कोई ध्यान नही दे रहे है।किराया संबंधी जानकारी जब कोई यात्री परिचालक से मांगता है तो यात्रियों के साथ अभद्रता करते हुए उन्हें बस से उतार दिए जाने की धमकी तथा मारपीट भी कर दी जाती हैं ,

पुलिस नें अबैध चाकू के साथ किया गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच
प्रदीप कुमार तिवारी

रीवा - गोविन्दगढ़ पुलिस की कार्यवाही गंभीर वारदात की फिराक में धारदार हथियार लेकर घूम रहे एक आरोपी को पुलिस नें अबैध चाकू के साथ किया गिरफ्तार, 1 लाख 80 हज़ार का मशरूका व नक़द जप्त पुलिस अधीक्षक श्री विवेक सिंह,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनिल सोनकर,डीएसपी मुख्यालय हिमाली पाठक के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी शिवा अग्रवाल द्वारा स्टाफ सहित मुखबिर की सूचना पर आरोपी धीरज चिकवा पिता द्वारिका प्रसाद चिकवा उम्र 22 वर्ष निवासी वार्ड क्रमांक 3 गोविंदगढ़ के कब्जे से एक अदद लोहे का चाकू एवं आरोपी द्वारा घटना में प्रयुक्त की गई एक अदद स्कूटी होंडा कंपनी की कीमती ?100000 एवं एक अदद आईफोन 13 एप्पल कंपनी का मोबाइल कीमती 50000 व नकदी ?30000 जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया एवं थाना गोविंदगढ़ में अपराध क्रमांक 397/

23 धारा 25(2) आर्म्स एक्ट कायम कर विवेचना में लिया गया । सराहनीय भूमिका थाना प्रभारी गोविन्दगढ़ शिवा अग्रवाल, उप निरीक्षक छोटू सिंह ,सउनि गुलाब सिंह,आरक्षक राहुल पाण्डे, आर. कौशलेंद्र सिंह।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

Sunny Leone elated after finding the missing daughter of the house help, thanked the Mumbai Police wholeheartedly.

Social media sensation and actress Sunny Leone remains in the headlines for her stylish style. While these days the actress is in the news for her upcoming web reality show 'Glam Fame', on the other hand she is making headlines for coming forward to help her house help's missing daughter. Amidst all this, news is now coming that the girl for whom Sunny Leone had appealed for help on social media yesterday, has now been found. In such a situation, the actress has shared a post thanking the Mumbai Police. Yesterday, Sunny Leone shared a post on her Instagram and revealed that her house help's nine-year-old daughter has gone missing from Jogeshwari area of Mumbai. He had appealed to his fans to increase the post and also offered a reward of Rs 50,000 to anyone who finds the girl. Sunny Leone had written, 'I will personally give an additional Rs 50,000 so that this girl returns safely to her family. Mumbai Police, BM C This is my house helper's nine year old daughter Anushka, she is missing from Jogeshwari West Behram Bagh since 7 pm on 8th November. Her parents have gone crazy searching for her.' In this post, Sunny Leone had also made a special appeal to the Mumbai Police to find the girl. Following the actress' appeal, the police came into action and found the nine-year-old girl in a park in Versova at around 4.30 pm yesterday. A few hours later, Sunny shared another post thanking Mumbai Police for finding the girl 24 hours after she went missing. Along with this, Sunny Leone also shared a heart touching picture of the girl and her parents. Sunny Leone wrote, 'Our prayers have been answered! God is so great! God bless this family!! On behalf of the family, a big thank you to Mumbai Police and we got Anushka back 24 hours after she went missing, thanks to all my well wishers for sharing the post and making the news viral, I thank everyone from the bottom of my heart. ' Talking about Sunny Leone's work front, the actress has worked in many films. Her list includes 'Jism 2', 'Jackpot', 'Shootout at Wadala' and 'Ragini MMS 2'. Recently he played an important role in 'Kennedy' directed by Anurag Kashyap. The film also stars Rahul Bhatt and Abhilash Thapliyal in lead roles. She will soon be seen in the web reality show 'Glam Fame', in which she will play the role of a judge.

The final match of World Cup 2023 will be played between these two teams, Ab Devilliers has made a big prediction

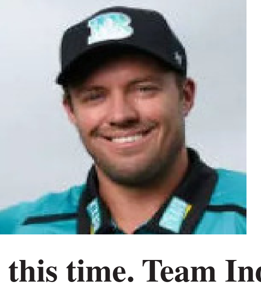

De Villiers predicted - AB de Villiers, while talking on his YouTube channel, has said that the final match of World Cup 2023 will be played between India and South Africa. Mr. 360 believes that this time South Africa will be successful in washing away the stain of chokers and will win the title by defeating Team India. De Villiers said, "I have already answered this question. According to me, the title match will be played between India and South Africa. However, I will not watch the match that night, but would prefer to sleep peacefully." De Villiers said that he hopes that South Africa will be successful in winning its first title this time. Team India's performance in the World Cup 2023 has been very excellent. Under the captaincy of Rohit Sharma, the Indian team has tasted victory in all the eight matches played so far. While Rohit has been successful in giving a strong start to the team in batting, Virat Kohli has done the work of taking the good start to the end. In bowling, the pairing of Bumrah and Shami is proving to be a disaster for the batsmen. The spin pair of Kuldeep Yadav and Jadeja is completing the task.

These stars have their partner's name written on their body along with the heart, they flaunt their tattoos openly.

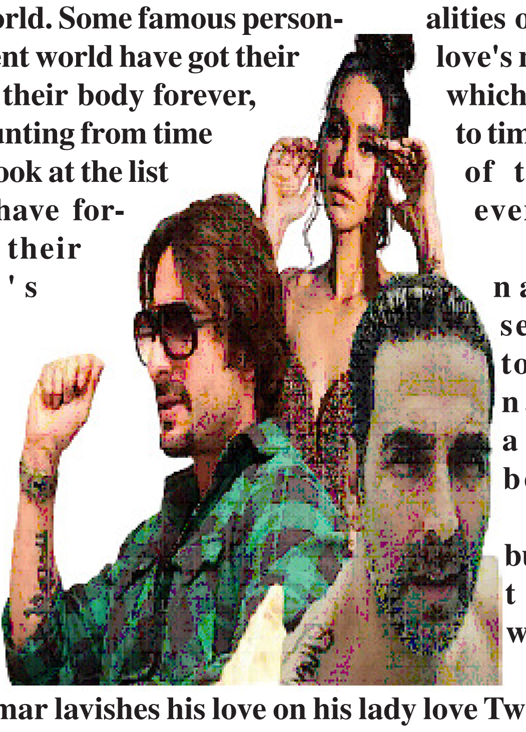

In today's time, there are many ways to express love. One of these very popular methods is tattoo. In the last few years, the craze for tattoos has become rampant not only on common people but also on the stars of the entertainment world. Some famous personalities of the entertainment world have got their love's name tattooed on their body forever, which they are seen flaunting from time to time. So let's take a look at the list of those stars who have forever attached their partner's name to themselves through tattoos - Akshay's name was associated with many beauties of Bollywood but he has shown true love to his wife Twinkle. . Akshay Kumar lavishes his love on his lady love Twinkle Khanna. Not only this, to tell this to the world, Akshay has got Twinkle Khanna's nickname Tina tattooed on his shoulder. Also, the actor has got the name of son Aarav tattooed on his back and daughter Nitara's name on his neck. Shibani Dandekar and Farhan Akhtar got married after dating each other for years. This couple is often seen giving couple goals to the fans by expressing their love openly. Some time ago, Shibani got her husband Farhan Akhtar's name tattooed on her neck. Shibani dedicated this tattoo to Farhan on her 42nd birthday, and expressed how much she loves him. The pair of Saif Ali Khan and Kareena Kapoor is one of the classy pairs of Bollywood. When the love between Saif and Kareena started, at the same time Saif had got Kareena's name tattooed on his hand. Not only this, Saif also flaunts his tattoos openly. At present, the couple is living life beautifully with their two children.Also, the actor has got the name of son Aarav tattooed on his back and daughter Nitara's name on his neck. Shibani Dandekar and Farhan Akhtar got married after dating each other for years. This couple is often seen giving couple goals to the fans by expressing their love openly. Some time ago, Shibani got her husband Farhan Akhtar's name tattooed on her neck. Shibani dedicated this tattoo to Farhan on her 42nd birthday, and expressed how much she loves him. The pair of Saif Ali Khan and Kareena Kapoor is one of the classy pairs of Bollywood. When the love between Saif and Kareena started, at the same time Saif had got Kareena's name tattooed on his hand. Not only this, Saif also flaunts his tattoos openly. At present, the couple is living life beautifully with their two children.

जगत के कल्याण में स्वास्थ्य मानव की कल्पना शाकाहारी बनने से होगी–पंकज महाराज

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा। शनिवार को मुंडिया अहमदनगर में सहारा सिटी मैदान में बाबा जय गुरुदेव के सत्संगी प्रेमी भाई-बहनों ने दीप प्रज्वलित कलशों, फूल मालाओं, पुष्प वर्षा तथा बैण्ड बाजे के साथ समस्त काफिला यात्रियों का भव्य स्वागत कर सत्संग समारोह का आयोजन किया। मथुरा आश्रम से पहुंचे पूज्य पंकज महाराज ने अपने सत्संग में कहा यह अनमोल मानव शरीर परमात्मा ने इसलिये दिया है कि अबकी बार किसी प्रभु की प्राप्ति करने वाले सन्त महात्मा की खोज करें। वह जो दया का प्रसाद दे उससे भजन करके जन्म-मरण के बन्धन से मुक्त हो जायें। इसी उद्देश्य के साथ हमारे गुरू महाराज बाबा जयगुरुदेव महाराज ने अथक परिश्रम किया और गृहस्थ में रहकर प्रभु की प्राप्ति की सरल साधना सुरत-शब्द (नाम योग) में बीसों करोड़ लोगों को जोड़ कर रखा है। उन्होंन कहा इस कलियुग में सन्तों का अवतरण हुआ जिन्होंने दया करके सुरत-शब्द योग (नाम योग) का आत्म कल्याण के लिए सरल रास्ता जारी किया ।और बताया कि सारी आत्मायें शब्द (नाम) पर उतार कर लाई गयी है। उस शब्द से सुरत का सम्बन्ध टूट गया अब उसे यह बोध नही रहा कि हम कहां से आयी, हमारा सच्चा पिता कौन और कहाँ है? प्रभु को पाने वाले सन्त, महापुरूष जब मिल जायेंगे तब रास्ता बता देंगे। साधना और गुरू कृपा से आत्मा में विराजमान दिव्य दृष्टि (तीसरा नेत्र) तीसरा कान खुल जायेगा। और आप प्रकाश के चौड़े मैदान में खड़े हो जायेंगे,

त्रिकालदर्शी हो जायेंगे। जीवन सार्थक हो जायेगा। संस्था प्रमुख ने गुरू की महिमा पर बहुत प्रकाश डाला। गुरू को सर्वोच्च दयागार कहा। गुरू के बराबर कोई नही। यहाँ तक कि सतनाम अनामी भी गुरू के आगे कुछ नहीं। गुरू मेरे पूर्ण कृपा के आधार हैं। मैं उन्हीं का गुण गाऊँगा। उनके नाम को रोशन करने में अपनी पूरी ताकत जीवन लगा दूंगा। उन्होंने कलयुग की सुगम से सुगम नाम योग साधना का उपदेश किया। जयगुरुदेव नाम की महिमा सुनाई कहा कि यह नाम समय का जागृत एवं सिद्ध नाम है। संकट की घड़ी में मददगार होगा। मौत के वक्त इस नाम को श्वांस-श्वांस पर याद करने पर मौत की पीड़ा कम होगी। 'जयगुरुदेव' नाम का जहाज हमारे गुरू महाराज लगा कर गये हैं। इस जहाज पर जितने भी जीव चढ़ जायेंगे ।यह जहाज सबको पार उतारेगा। अभी आप क्या देखते हैं, समाज के निर्माण में भागीदार बनें। इस मौके पर पूर्व केन्द्रीय मंत्री सांसद संतोष कुमार गंगवार, वीरेन्द्र गंगवार उर्फ़ वीरू, ग्राम प्रधान धर्मेंद्र पटेल शांति व सुरक्षा व्यवस्था में पुलिस प्रशासन के साथ संगत के जिलाध्यक्ष यमुना प्रसाद गंगवार, डा.बी. पी. सिंह, ओम प्रकाश राठौर, एडवोकेट आयोग कुमार, प्रधान धर्मेन्द्र कुमार, राममूर्ति लाल, मुरारी लाल, छत्रपाल गंगवार, अंगन लाल मौर्य आदि के साथ संस्था के पदाधिकारी व प्रबन्ध समिति के सदस्यगणों के साथ हजारों की संख्या में सत्संगी मौजूद रहे। सत्संग के बाद जनजागरण यात्रा अपने अगले पड़ाव के लिए गांव आसैस बरपीन ब्लाक सलारपुर बदायूँ के लिये प्रस्थान हुई। जहां रविवार (आज) दिन के 11.30 बजे से सत्संग समारोह आयोजित होगा।